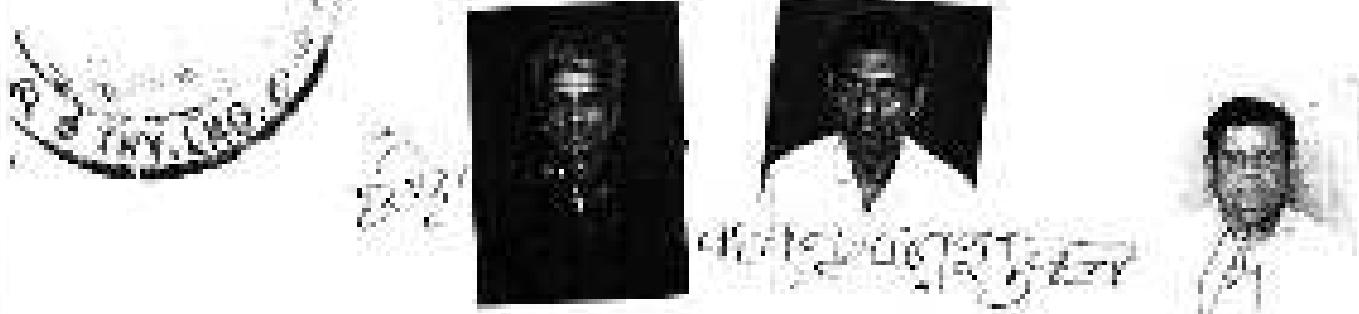




उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

062215



विकल्प विनायक

विकल्प रुपय : ₹० 10,40,977/-

विवाह रुपय : ₹० 7,54,515/-

स्थाय रुपय : ₹० 1,01,300/-

विवाह : विवाह

वह विकल्प विनायक छातीकाला न बालाकाला भूम्याम लाला प्रसाद
निवासा-पैगाम्बर, गठगाम गोकर्णीर, व सहस्रील व विला लालनाल
जिन आमे विकल्पाम उडा गया है, हजार दुष्टाएँ जागरूक

Per Ecclesiasticorum Proprietary Ltd.

गोपनीय विनायक चतुर्दशी

ट्रॉफी लैटर इंडिया लैटर हैंडलर

India's No. 1

ଶ୍ରୀମତୀ ପାତ୍ନୀ କାଳି, ପାତ୍ନୀଙ୍କା

ଶ୍ରୀ କାଳି.....

ଶ୍ରୀ..... ପାତ୍ନୀଙ୍କା

ଶ୍ରୀ..... ପାତ୍ନୀଙ୍କା) ପାତ୍ନୀଙ୍କା

ଶ୍ରୀ.....

ଶ୍ରୀକାଳି

ଶ୍ରୀକାଳି

ଶ୍ରୀ /ପାତ୍ନୀ କାଳି/

ପାତ୍ନୀଙ୍କା - ୧୯୫୦।

ଶ୍ରୀକାଳି ପାତ୍ନୀଙ୍କା ପାତ୍ନୀଙ୍କା ପାତ୍ନୀଙ୍କା
ଶ୍ରୀକାଳି ପାତ୍ନୀଙ୍କା ପାତ୍ନୀଙ୍କା ପାତ୍ନୀଙ୍କା

ଶ୍ରୀ କାଳି ପାତ୍ନୀଙ୍କା

ଶ୍ରୀ କାଳି ପାତ୍ନୀଙ୍କା

ଶ୍ରୀ କାଳି

ଶ୍ରୀକାଳି

ଶ୍ରୀକାଳି ପାତ୍ନୀଙ୍କା

ଶ୍ରୀକାଳି ପାତ୍ନୀଙ୍କା - ୧୯୫୦ ପାତ୍ନୀଙ୍କା

ପାତ୍ନୀ

ପାତ୍ନୀ

ଶ୍ରୀକାଳି ପାତ୍ନୀଙ୍କା ପାତ୍ନୀଙ୍କା ପାତ୍ନୀଙ୍କା

ଶ୍ରୀକାଳି ପାତ୍ନୀଙ୍କା ପାତ୍ନୀଙ୍କା ପାତ୍ନୀଙ୍କା

ଶ୍ରୀକାଳି ପାତ୍ନୀଙ୍କା ପାତ୍ନୀଙ୍କା ପାତ୍ନୀଙ୍କା



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

0022-16

2

प्राइवेट लिमिटेड दिविस्टर्ट आर्केस-1101 राजस्टान उड़ाकन्दा,
दलहालीय पांग, राई दिल्ली, चंगान बत्ता-कुतीब तल,
वाहनगढ़मध्यस्थीति० विल्डग, 13-राणा प्रताप पार्ग लजानक द्वारा
आधिकृत रक्षाभट्टी श्री अंबेपुरिंद, पुत्र राज, पहेंच रिह उत्तरायां
एवं स्थानीय पता-कुतीब तल, वर्द्धमालमध्यस्थीति० विल्डग, 13-राणा
प्रताप पार्ग लजानक जिन्हें आगे फोटो करा गया है के गाज
निषाक्षिणि दिना गया।

Pre-Examination Preparation Part 2

ପ୍ରାଚୀ
ପ୍ରାଚୀ

2-10-8

Digitized by

三五四

وَالْمُؤْمِنُونَ

10

卷之三

The original

ବେଳକୁ ଦେଖୁ ନା... ଶ୍ରୀକୃତୀଜୁଣୀ

ପ୍ରକାଶ କରିବାରେ ଅନୁମତି ଦେଇଲାମୁଣ୍ଡଳୀ

ప్రాణికి వీటిను ఉచ్ఛవించుకొన్న లోఘతిను,

W. 43 2305-
1200 3

କୁର୍ମା ପାତାରେ ଦେଖିଲୁ ଏହାରେ ଆଜିରିବା
କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା

३८४ विद्यासी उत्तरार्थ विद्यालय लखनऊ अस्ति विद्यासी

२०१५ ई. सोमवार
२३ अक्टूबर-दृश्य

ग्रन्थालय

1927-28 2nd 24th (cont'd) -

A small, circular, dark impression, likely a seal or stamp, located at the bottom left of the page.



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

062217



वह कि विक्रेतागण भूमि छासा नं 280 रक्षा 0.076
हेक्टेअर, छासा नं 281 रक्षा 0.291 हेक्टेअर, छासा नं 283
रक्षा 0.291 हेक्टेअर, कुल रक्षा 0.658 हेक्टेअर में से 0.4387 हे
क्टेअर, स्थित ग्राम युजफार नगर धूस्थल, पटगना-सिनीर,
तहसील ब विला, लखनऊ का मालिक, कानिल व कानिज है
तथा उठीकत साधापिता घटापिता लाल खालीनी ग्राम छासा
231 के अनुसार भूमि विक्रेतागण के नाम तो अब दरामद
राजस्व अमिलेहों में हो गया है। विक्रेतागण अपका लान्पूर्ज हिस्सा
प्रेता को इस विलास विलेल छाना विकाय कर दहा है विक्रेतागण

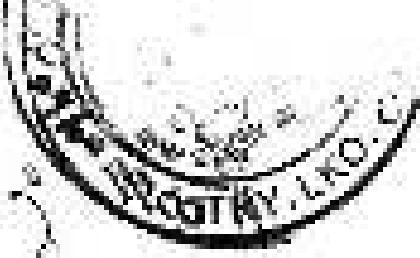
For Government Press, Lucknow, U.P.

कृष्ण शर्मा श्री
विक्रेता ग्राम छासा



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

06.22.18



उपरोक्त सम्पूर्ण भूमि के मालिक, याचिन व राजिन हैं एवं यताका
समय में उक्त भूमि कृषि भूमि है, और यह कि विनाशकारी वह
घोषित करता है कि उपरोक्त वाचित भूमि लगी प्राप्त के भावों के
मुक्त एवं पाषां द्वाका है तथा विनाशकारण ने उसे इस विकल्प के
पूर्व लही बव, हिया, गिरनी था अनुचित इत्यादि नहीं किया है।
उपरोक्त भूमि या उसका कोई मात्र विस्तीर्णावालय या जटिलता
कर्तव्यवाही के अन्तर्गत विवाद का वस्तु विषय नहीं है, न ही कुछ
हत्यादि है। विनाशकारण के अलावा उक्त भूमि में यिनी अन्य
व्यायित का स्वत्व, या या दागा हत्यादि नहीं है, इस विनाशकारण

का विनाशकारण विवाद नहीं है।

कृषि विवाद विवाद
भौतिकी विवाद

विनाशकारण विवाद



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

062219



ये उपलब्ध अन्तरण करने का यूं अधिकार प्राप्त है। अतएव उपरोक्त संग्रहीत के फलव्यवस्थ सम्पर्क 10,40,957/- (लापता दस लाख चार सौ छापाट नी सी सालाहन गाँव) के प्रतिक्रिय में जिसका कि उपरोक्त संग्रहा द्वारा विशेषानुग्रह वह इस विलोक्त के अन्त में तो यह अनुसृती में बलित विवि के अनुसार भुगतान कर दिया गया है एवं जिसकी प्राप्ति यो विशेषानुग्रह यही स्वीकार करता है, तदानुसार उपलब्ध विशेषानुग्रह उक्त संग्रह के इस उपरोक्त वर्णित ग्रन्थ, जिसका विवरण इस विलोक्त विलेवा को इन्होंने अनुसृती के अनुसार दिया नया है, वो काहूं बेध दिया है, ऐसा विशेषानुग्रह ने

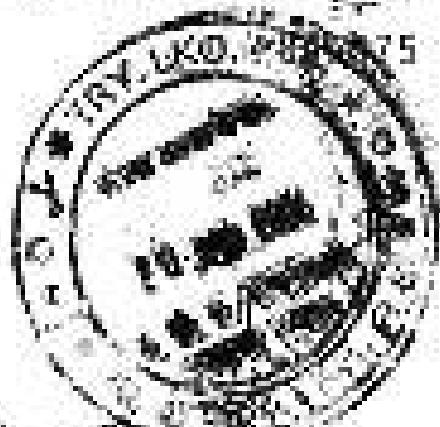
प्रति विवरण 12,000/- रुपये 120.

द्वारा दिया गया है।

1000Rs.



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH



- 6 -

विक्रमशुल्क सुधि का नीको जट कला को बहुती लाभ देंगा। अब उक्त आठाही यट विनाशकागण द्वारा उक्त कार्यक्रम का मार्फ़ अधिकार नहीं है। विनाशकागण ने विक्रमशुल्क सम्बलि को अपनी द्वारामिल्य के सम्बला अधिकारी को ताष पूर्णतया व इपेशा औं लिए कंता को छरतान्तरित कर दिया है। अब योग्य विक्रमशुल्क सम्बलि एवं उक्त कार्यक्रम का भाग को अपने एकान्नाप्र द्वारामिल्य व अधिकार व कल्पे में सम्पत्ति के रूप में खाटम एवं उपयोग व उपयोग करेंगे। विनाशकागण उक्तमें विक्ती प्रयत्न की अड्डचन बाथा नहीं आज जर्यों एवं न ही कोई मांग कर सकती। और यदि

Use Crosshatch watermark part of PDI-DSS.

संस्कृत भाषा। दूर-कृत

अंतिम अनुसूती द्वारा लिखा गया-

1000Rs.



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH



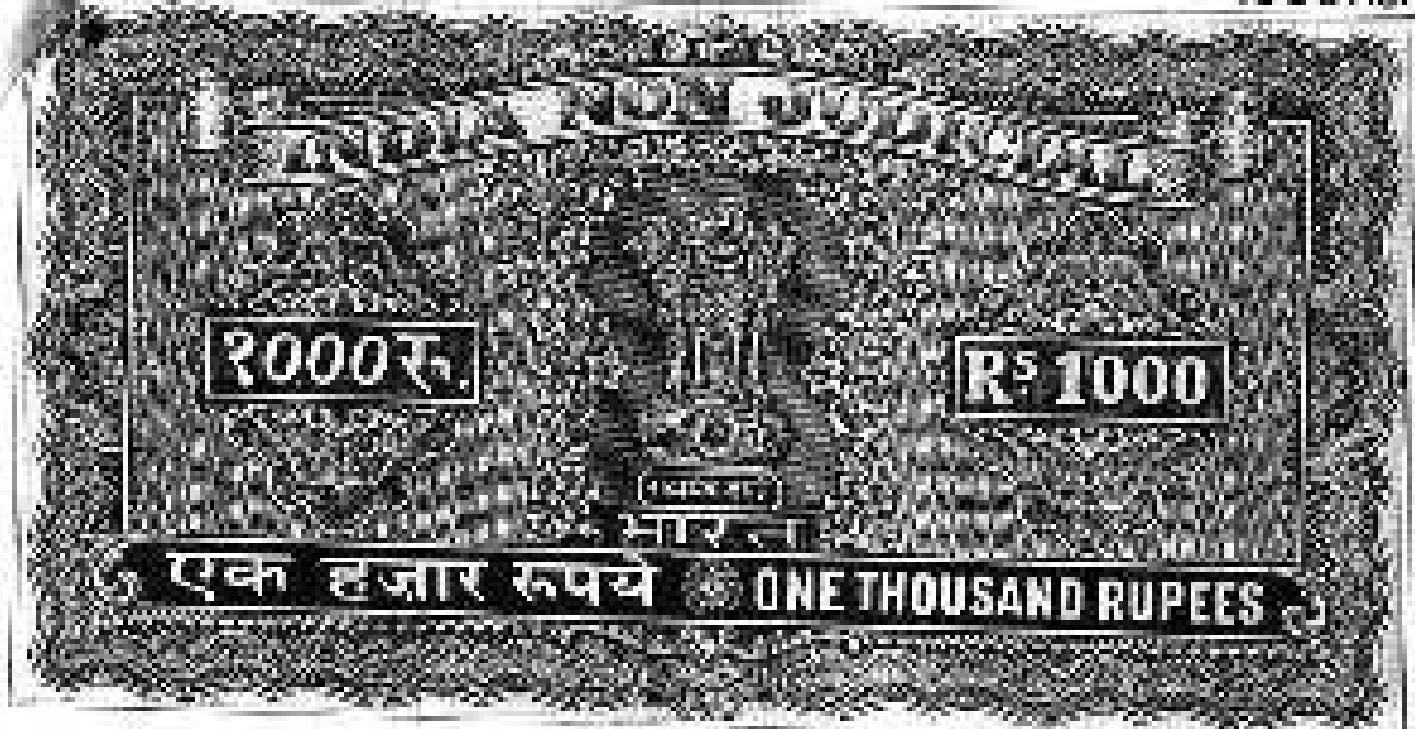
विकायणुल सम्पत्ति अधिकार यांडे गढ़ निकेतागण को ल्लाम्हल में
शुटि को कारण का बान्हुनी अखदान या कान्हुनी तुटि के कारण ब्रेसा
या उसके बारितान निष्ठाद्यगण इत्तादि के बब्बो या आधिकार या
संगत से गिकल जाते नो ब्रेता उसके बारितान, निष्ठाद्यगण
इत्तादि को वह इक होता हि वह अपना संगत नुकरान मय
ब्रां य छार्चा, निकेतागण बती चल, अचल सम्पत्ति से जहिरे
अदानत बस्तु घट ले। उषा दिवान ने निष्ठागण एवं उसके
बाचिसान हर्जा य छार्चा देने हेतु बाधा होगा।

हर्दे ४०३; दुर्दल
बोर्डर्स लिमिटेड

प्रधानमंत्री का दस्तावेज़ द्वारा दिलाई गई।

प्रधानमंत्री का दस्तावेज़

1000Rs.



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

- ३ -



यह यि संग्रह प्रिवेटशुल्क सम्पत्ति की यातिरिक्ताद्वारा
दाखला असिलोंगों में अपने नाम धर्ज करता है तो विक्रेतागण को
कोई आपत्ति न होगी और यह कि इस विक्रय विलेन को गृह का
उग्र लोह बनाया। किसी दावह का भाव इस तापत्ति पर होगा तो
उसको विक्रेतागण भुगतान कर देंगे, विक्रेतागण को कोई
आपत्ति न होगी।

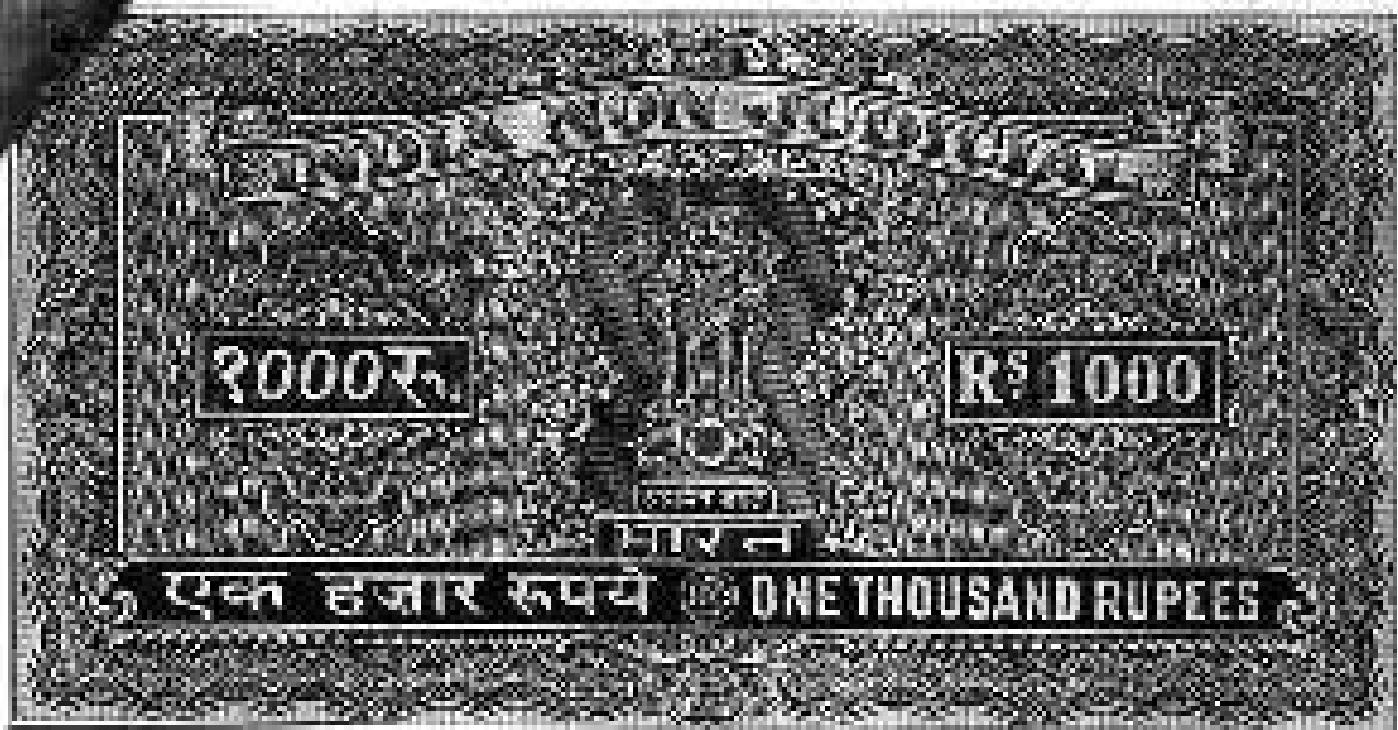
यह यि उपरोक्त असदा नव्य याप मुकाफ़द्दर नयर धुतावल,
अधिकारीन की विशिष्ट याम वां अन्तर्गत आता है इसलिए

हरे लाला दावह
प्रिवेटशुल्क सम्पत्ति

By Government of India Postage Stamps

Government of India

1000 Rs.



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH



नियमित संरक्षण देट रुप 13,75,000/- परि छेक्टेयोरे के गृहीत
भूमि का विकाय कम्बानी को गाई में हो रहा है इसलिए 25 प्रतिशत
मूद्रा करती हुए रुप 17,18,750/- को हिसाब से नियमित भूमि 0.
4347 एक्ट-प्रर की मालियत रुप 7,54,015/- होती है। विकाय
मूद्रा भूमि की जाजारा मूल्य से अधिक है इसलिए नियमानुसार
विकाय मूद्रा पर ही रुप 1,04,100/- जनहन स्थाप्य आदा विका
या रहा है। यह कि उपरोक्त नियमि भूमि कृष्ण का उपयोग को
लिए कर्य जी जा रही है। इस भूमि में कोइं कुओं, तालाब, वा
निर्माण आदि नहीं हैं, तथा 200 मी० के अर्धचारा परे कोइं निर्गणि

द्वितीय हास्यरुपयोगी रुपये
प्रियों को द्वारा दिया गया है।

- 10 -

नहीं के विभिन्न मूर्मि किलो लिक नारा, दस्तगार्ग व जनपदीय बार्ग पर लिखा गड़ा है। विभिन्न मूर्मि दुखालपुर सोट से लगभग छोड़ किलोमीटर से ऊपर ज गहरा परा से २०० मीटर से अधिक ऊँची पर उथत है। विकलागण अनुसूचित जनजाति का सदस्य नहीं है इस विकल वित्त के निवासन का सम्मत व्यवहार द्वारा बहु किलो गया है।

कृष्ण नारा दुखाल
विकल वित्त का सम्मत व्यवहार

लिंगायता वह विद्या यज रथ विक्रीतागण ने अंसा के बाजे के लिखा दिया ताकि अवाद हो और आवश्यकता पत्तने पर काम आये।

परिशिष्ट : विवरण विकासानुसार दार्शनिक का विवरण

‘मि लालदा नं० २४० टक्का ०.०७६ हेक्टेअर, छलता नं० २४१ टक्का ०.२१ एक्टेअर, लालदा नं० २४३ टक्का ०.२१ हेक्टेअर, दूस टक्का ०.५५८ हेक्टेअर में से ०.४३८७ हेक्टेअर, जिल दान मुगाफ़ार नगर पुस्तक, परगाना निजगौर तहसील च लिला, अख्यनक, विजाती चौहड़ी गिरन है।

लालदा नं० २७०

उत्तर	: अलदा लंड्या-२७१
दक्षिण	: लालदा लंड्या-२७१
पूर्व	: गाम लीगा नियापुर
पश्चिम	: लालदा लंड्या-२७४, २६१

लालदा नं० २७१

उत्तर	: लालदा लंड्या-२७२
दक्षिण	: अलदा संचला-२८०
पूर्व	: गाम लीगा नियापुर
पश्चिम	: लालदा संचला-२७०, २६३, २६२

इरपि दु १०८ रुपये
परिवर्तन हुए हैं १०८ रुपये

सरावन का दृष्टि

ज्ञान	: अमरावती संख्या-284
दोषेण	: अमरावती संख्या-282
पूर्व	: प्राम सीमा निवागपुर
परिचय	: अमरावती संख्या-278, 264, 265

परिशिष्ट : गुगलाल मिहरण

1. विक्रीतागम में रु० 5,00,000/- द्वारा देका संख्या ५८३४।
दिनांकित २३.०६.२००६ एवाप नेशनल बैंक हजारतगंज,
लखनऊ द्वेष्टा से भासा दिये।
2. विक्रीतागम में रु० 2,80,125/- द्वारा देका संख्या ५८३५।
दिनांकित २३.०६.२००६ एवाप नेशनल बैंक हजारतगंज,
लखनऊ द्वेष्टा से भासा दिये।
3. विक्रीतागम में रु० 2,60,802/- द्वारा देका संख्या ५८३६।
दिनांकित २३.०६.२००६ एवाप नेशनल बैंक हजारतगंज,
लखनऊ द्वेष्टा से भासा दिये।

इस प्रधान बुल मिहरण में १० १०,४०,९६७/- हजार
एवं लाख चालीस हजार ती दो सलाहन नाम, विक्रीतागम को

संग्रहीत करने के लिए

कृपया इसे उपरोक्त दृष्टि के साथ देखें।

कंगा चे प्राप्त दुर हाणी निवारणी प्राप्ति विकलागण स्थीकार करते
हो।

लाभानक

दिनांक: २३.०६.२००६

गवाह

मुख्य सुनारा देव
संस्कृत लिखने वाले

विकलागण

१.
कंगा चे प्राप्त दुर हाणी निवारणी प्राप्ति
विकलागण स्थीकार करते हो।

२.

कंगा चे प्राप्त दुर हाणी
निवारणी प्राप्ति विकलागण

संस्कृत

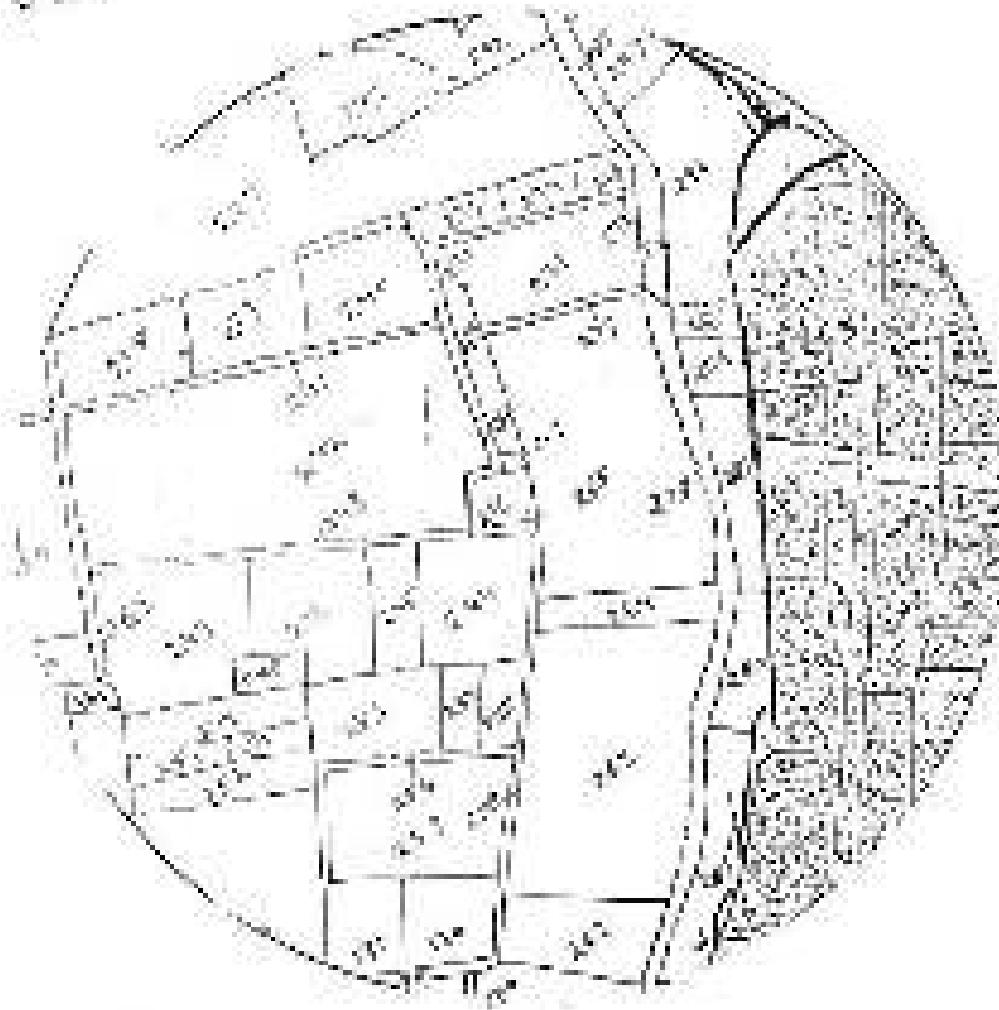
दावीपत्रानुसार
(राम सनेही)

विवेक व्यापार रिंग
हस्तीकेट

ग्राम शुभेन्दु-वर्धनाली पराना जिला-काशी
तिला-काशी

महाराष्ट्र

खसदा संघ्या-२८८, ५०१२६३
काशी



पिंडोला

काशी

ग्राम शुभेन्दु-वर्धनाली
तिला-काशी

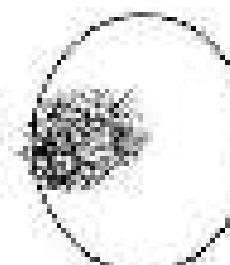
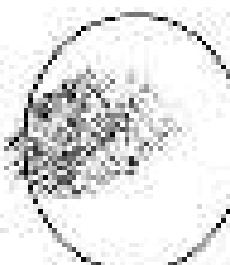
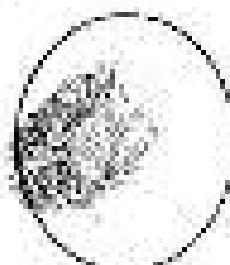
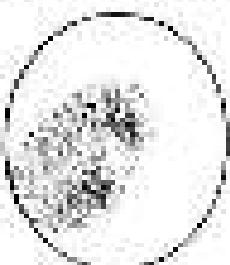
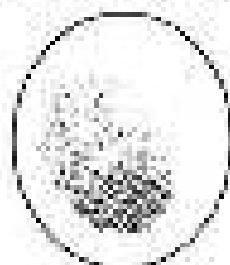
संविरस्त्रैल डिएटो १९०८ की आरा - ३२ रुप के अनुचालक हैंगु.

फिक्स्ड प्रेस्ट्रैस

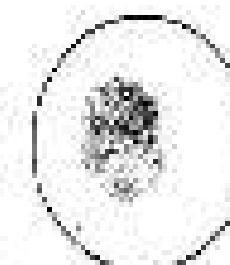
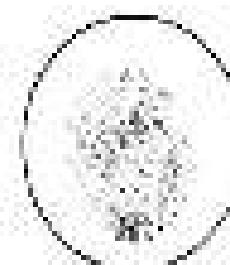
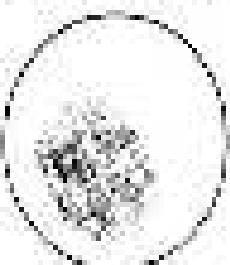
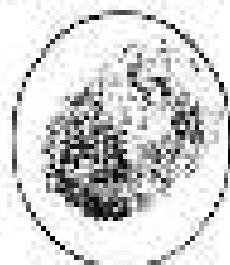
महुआप / बिंदा वारे व चना - 

.....
.....
.....
.....
.....

वारे चना के अनुचितों के विकास -



वारे चना के अनुचितों के विकास -



हृषि कुम्हा ट्रैल

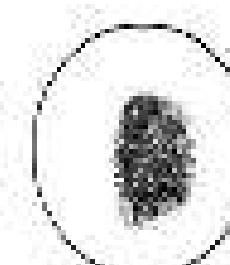
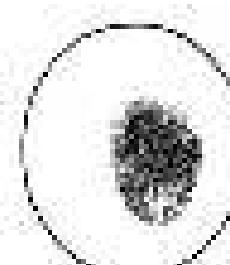
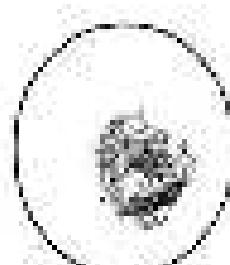
महुआप / बिंदा / चना के इन रूपों

बिंदा वारे वारे चना

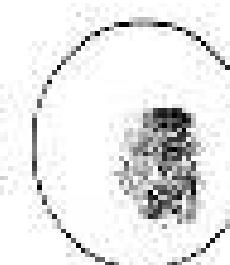
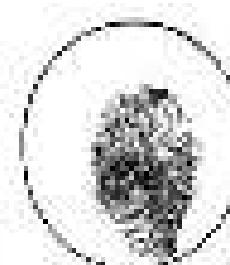
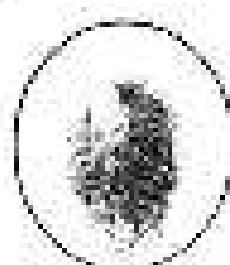
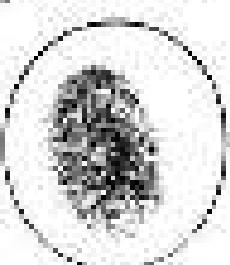
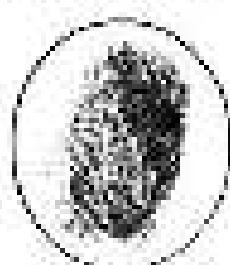


.....
.....
.....
.....
.....

वारे चना के अनुचितों के विकास -



वारे चना के अनुचितों के विकास -



बिंदा / चना के इन रूपों

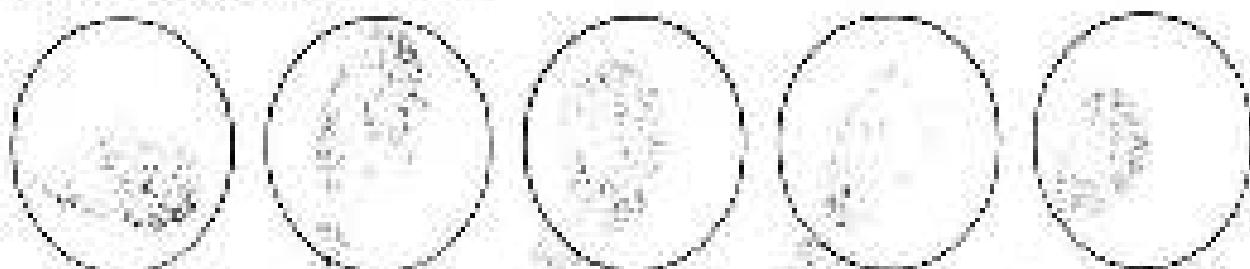
को । जाने ! उपरोक्त रूपों

संक्षिप्त दृष्टि का १००० रुपये की चारा - ३२ रुपये के अनुपालग्न हैं।

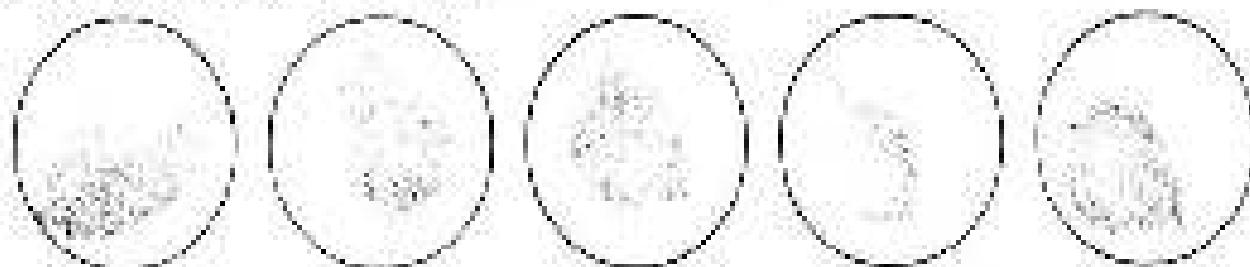
फ़िल्डरी ब्रिन्डल

प्रत्येक विकला वाम व दाम - २५ प्रति विकला वाम व दाम - २५

नगे छाप के अनुपालग्न के लिए :-



दोनों छाप के अनुपालग्न के लिए :-

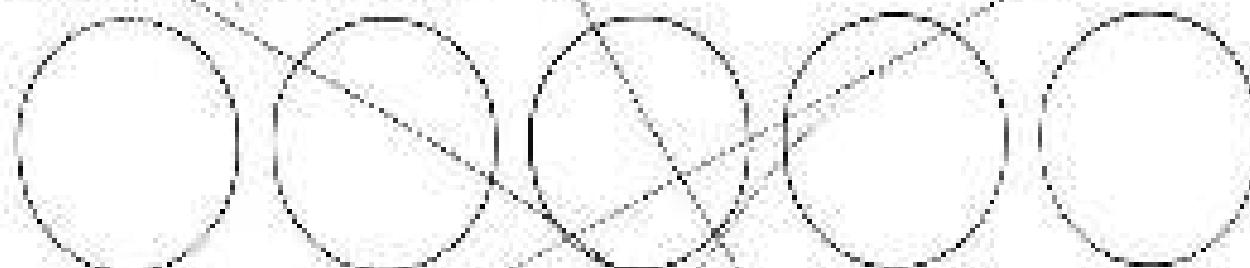


For Enquiry, Proceeding, Return
— अनुपालग्न / विवरण / इत्यादि के लिए

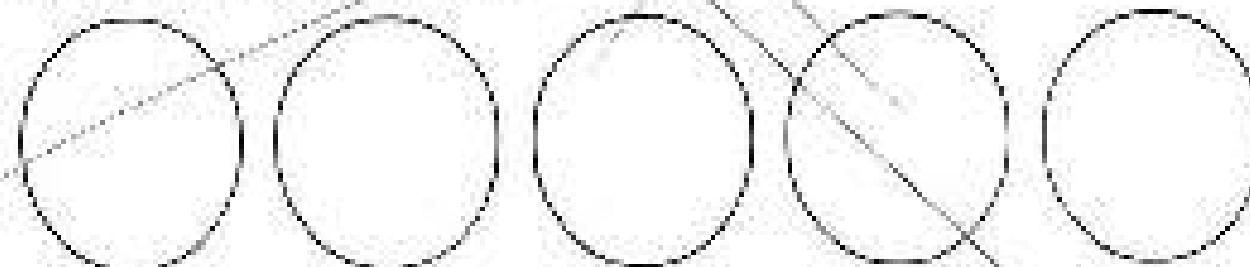
विकला / दाम वाम व पाम -

मुद्राप्रबन्धक

राज गुरु और अनुपालग्न के लिए :-



दोनों छाप के अनुपालग्न के लिए :-



विकला / दाम व पाम

ଶ୍ରୀ କମଳାଚାର୍ଯ୍ୟ
ପ୍ରଦୀପ ପାତ୍ର | ପ୍ରଦୀପ ପାତ୍ର |
ମୁଦ୍ରଣ କରିଥିଲା ନାହିଁ
ପ୍ରଦୀପ ପାତ୍ର